मुख्यमंत्री भजनलाल ने 72 लाख किसानों को चौथी किश्त हस्तांतरित की

नदबई में आयोजित समारोह में उन्होंने 718 करोड़ रूपए की राशि ट्रॉंसफर की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को नदबई में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 72 लाख किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की चौथी किस्त हस्तान्तरित की।

भरतपुर/जयपुर, 18 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान हमारे राष्ट्र निर्माता और भारत की आत्मा हैं। कृषक जब अपने खेतों में दिन-रात मेहनत करता है, तभी हमारी थाली में भोजन आ पाता है। उन्होंने कहा कि अन्नदाता शब्द समाज में किसान के सम्मान, गरिमा और महत्व को दर्शाता है। हमारा किसान समृद्ध होगा तो देश और प्रदेश भी विकसित होगा, इसलिए राज्य की डबल इंजन सरकार किसानों

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य केवल उत्पादकता बढ़ाना नहीं, बल्कि फसल विविधीकरण, सिंचाई व्यवस्था में सुधार, भंडारण क्षमता में वृद्धि और किसानों को आसान ऋण उपलब्ध कराना है।**

की समृद्धि के लिए दिन-रात कार्य कर रही है।

शर्मा ने शनिवार को भरतपुर के नदबई में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राज्य के लगभग 72 लाख किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की चौथी किस्त के रूप में लगभग 718 करोड़ रुपये की राशि का हस्तान्तरण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजस्थान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत पौने दो साल में किसानों को 7 हजार 31 करोड़ रुपये से अधिक दिए जा चुके हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 6 हजार के अतिरिक्त 3 हजार की राशि अलग से प्रदेश के किसानों को देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई पीएम धन धान्य कृषि योजना का उद्देश्य केवल उत्पादकता बढ़ाना ही नहीं, बल्कि फसल विविधीकरण, सिंचाई सुविधाओं में सुधार, भंडारण क्षमता में वृद्धि और किसानों को आसान ऋण उपलब्ध कराना भी है। शर्मा ने किसानों को परम्परागत खेती के साथ ही, आधुनिक खेती भी अपनाने का आ ान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2027 तक प्रदेश के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। वर्तमान में 22 जिलों के किसानों को सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की सौगात दी। पशुपालकों के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की तथा किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से वीसी के माध्यम से जुड़े लाभार्थी किसानों के साथ संवाद भी किया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर स्थानीय लोक कलाकारों ने बम नगाड़ा बजाकर उनका स्वागत किया।

जैसलमेर बस हादसे में इलाज के दौरान 23वीं मौत

जैसलमेर, 18 अक्टूबर (नि.सं.)। जैसलमेर में बस में भीषण आग की घटना में गंभीर रूप से झुलसे युवक की जोधपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में अब तक 23 जनों की मौत हो चुकी है। गौरतलब है कि गत दिनों जैसलमेर से जोधपुर जारही एक निजी बस में आग लग गई थी।

हादसे में रामदेवरा थाना क्षेत्र के एका निवासी महिपाल सिंह (19) पुत्र नगसिंह

- **गंभीर रूप से झुलसे युवक को कार चालक ने नहीं बैठाया, फिर बाइक सवार ने इसे अस्पताल पहुँचाया था।**

भाटी भी गंभीर रूप से झुलस गए। युवक का जोधपुर में उपचार चल रहा था। शनिवार को दोपहर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। महिपाल सिंह का एक वीडियो भी वायरल हुआ है कि कैसे उसने झूलसी अवस्था में सड़क पर मदद भी मांगी थी, लेकिन किसी ने सहायता नहीं की। एक कार में सवार हुआ तो चालक ने उसे नीचे उतार दिया था। इसके बाद एक मोटरसाइकिल चालक ने उसे जैसलमेर के जवाहिर अस्पताल पहुंचाया था। महिपाल ने इस घटना की जानकारी अस्पताल में परिजनों को भी दी थी।

कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीट बंटवारे को लेकर स्पष्टता की कमी की खबरें सामने आई थीं। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस और राजद के बीच सीट-बंटवारे पर सहमति बन गई है और दोनों दलों में किसी प्रकार का विवाद नहीं है। हालांकि, मतभेद राजद और अन्य सहयोगी दलों, विशेष रूप से मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी के साथ अभी भी बने हुए हैं।

जल्दी ही भारत में होगा, 6जी नेटवर्क

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **केन्द्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 6जी रिसर्च में भारत काफी आगे है। यह नेटवर्क अब तक सबसे अलग होगा।**

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। केन्द्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को यहाँ आयोजित एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में कहा कि आने वाला 6जी नेटवर्क पूरी तरह से अलग होगा, यह न सिर्फ 5जी और 4जी से, बल्कि अब तक के सभी नेटवर्कों से भिन्न तकनीक पर आधारित होगा।

उन्होंने कहा, 2जी तक नेटवर्क की पूरी तरह अलग संरचना थी, फिर 3जी उसी पर आधारित हुआ। 4जी की आर्किटेक्चर काफी अलग थी, और 5जी को 4जी पर बनाया गया। लेकिन 6जी पूरी तरह से एक नई सोच पर आधारित नेटवर्क होगा, एक ऐसा नेटवर्क होगा, जो खुद सोच सकेगा।

वैष्णव ने आगे कहा, "6जी एक सॉफ्टवेयर-आधारित नेटवर्क होगा, जो पूरे सिस्टम में निरंतर रूप से उपलब्ध रहेगा। आज हम नेटवर्क को टावर और मोबाइल डिवाइस के रूप में देखते हैं, लेकिन कल जो भी चीज़ आपके हाथ में होगी, वह नेटवर्क का हिस्सा होगी।"

उन्होंने बताया कि भारत ने 6जी अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई है और उद्योग व शैक्षिणक संस्थानों के घनिष्ठ सहयोग से एक 6जी परिषद (काउंसिल) गठित की गई है।

मंत्री ने कहा, "यह पूरी तरह उद्योग और अकादमिक जगत द्वारा संचालित पहल है। मेरा अब दूरसंचार मंत्रालय से सीधा संबंध नहीं है, लेकिन मुझे बताया गया है कि अब तक हमारे पास करीब 60 से अधिक 6जी पेटेंट हैं और यह संख्या तेज़ी से बढ़ रही है।

गरीब रथ में आग लगी

अमृतसर, 18 अक्टूबर। पंजाब के अमृतसर से बिहार के सहरसा जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन में शनिवार सुबह आग लगने से यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, पंजाब के सरहिंद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 12204 अमृतसर-सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस के कोच में आग लग गई। घटना का

- **अमृतसर से सहरसा जा रही ट्रेन के कुछ एसी कोच में सुबह 7.30 बजे आग लग गई।**

समय सुबह 7:30 बजे बताया जा रहा है।बताया जा रहा है कि आग की चपेट में ट्रेन के 2-3 एसी कोच आए हैं। आग की चपेट में आने से एक महिला के झुलने की भी बात सामने आ रही है।

रेलवे की तरफ से बताया गया है कि ट्रेन सं 12204 अमृतसर सहरसा गरीब रथ में भटिंडा स्टेशन से गुजरते समय आग देखी गयी। त्वरित कार्यवाही करते हुए गाड़ी को रोककर आग बुझायी गयी। इस दौरान एक यात्री को हल्की चोट लगी है।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हमलों में तीन क्रिकेटरों सहित आठ की मौत

काबुल, 18 अक्टूबर। अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में शुक्रवार रात पाकिस्तानी हवाई हमलों में तीन स्थानीय क्रिकेटरों सहित आठ लोगों की मौत हो गई।

सुरक्षा अधिकारियों और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सदस्यों के अनुसार उरगोन जिले में यह हवाई हमला शुक्रवार देर रात हुआ जिसमें सात अन्य लोग घायल हो गये हैं। खिलाड़ियों की पहचान कबीर, सिघबतुल्लाह और हारून के रूप में की गयी है।

बोर्ड के अनुसार जब यह हमला हुआ, तब खिलाड़ी प्रांतीय राजधानी शरण में एक दोस्ताना क्रिकेट मैच खेलकर घर लौट रहे थे। बोर्ड ने एक बयान में इन मौतों को अफगानिस्तान के खेल समुदाय के लिए एक बड़ी क्षित बताया और पीड़ितों के परिवारों और टीम के साथियों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

- **अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि शुक्रवार देर रात यह हमला हुआ, उस समय खिलाड़ी एक दोस्ताना मैच खेल कर घर लौट रहे थे।**

एसीबी ने शोक और विरोध के प्रतीक के रूप में नवंबर के अंत में होने वाली आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला से हटने की घोषणा की है, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल था। यह हमला दोनों देशों के बीच विशेष रूप से पक्तिका और खोस्त प्रांतों में सीमा पार झड़पों में तेजी से वृद्धि के बीच हुआ है।

भाजपा से गठबंधन नहीं करेंगे- उमर अब्दुल्लाह

जम्मु कश्मीर के मु.मंत्री उमर ने अपनी सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर कहा

श्रीनगर, 18 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी।

अब्दुल्ला ने अपनी सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि उनकी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस राज्य में भाजपा के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी किसी भी हालत में भाजपा से हाथ नहीं मिलाएगी। वर्ष 2015 में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और भाजपा के बेमेल गठबंधन ने जम्मू-कश्मीर को बर्बादी के कगार पर ला खड़ा किया था। हम आज भी इसके दुष्परिणाम भुगत रहे हैं। मैं वह गलती नहीं दोहराने वाला, जो दूसरों ने की थी।

उन्होंने कहा कि मंत्रिपरिषद में कुछ और मंत्रियों को शामिल किये जाने की संभावना है। उन्होंने कहा, यह मामला मेरे विचाराधीन है। उपचुनाव संपन्न होते ही हम मंत्रिमंडल विस्तार करेंगे।

अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार वर्तमान में कुछ संवैधानिक प्रतिबंधों के तहत काम कर रही है, क्योंकि यह एक केंद्र प्रशासित क्षेत्र है। मंत्रियों की संख्या सीमित कर दी गयी है।

- **उन्होंने कहा, वर्ष 2015 से पीडीपी व भाजपा बेमेल गठबंधन राज्य को बर्बादी के इस कगार पर ला दिया है, मैं वह गलती नहीं दोहराने वाला।**

उन्होंने कहा, यह मानना गलत है कि जब तक कोई व्यक्ति मंत्री नहीं बनता, वह अपने क्षेत्र के लिए काम नहीं कर सकता। मैं सिर्फ गंदेरबल का मुख्यमंत्री नहीं हूं, बल्कि पूरे जम्मू-कश्मीर का मुख्यमंत्री हूं। इसी तरह सकीना बेगम सिर्फ नूराबाद की मंत्री नहीं हैं, बल्कि पूरे राज्य की सेवा कर रही हैं।

अब्दुल्ला ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस मुद्दे को पहलगाम की घटना से जोड़ा जा रहा है। इस घटना के लिए न तो चुनी हुई सरकार ज़िम्मेदार थी और न ही आम जनता ने इसका समर्थन किया। हमले में शामिल लोग जम्मू-कश्मीर के नहीं थे।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के मामले में भाजपा को अपने वादे पर ईमानदार होना चाहिए। भाजपा ने कभी नहीं कहा था कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा तभी बहाल होगा, जब वह सत्ता में आयेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, अगर उनकी यही मंशा है, तो उन्हें जनता के सामने खुलकर कहना चाहिए कि जब तक

गैर-भाजपा सरकार रहेगी, राज्य का दर्जा बहाल नहीं होगा। फिर जनता खुद तय करेगी कि क्या करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा अपने घोषणापत्र में जनता से किये गये वादे पांच साल की अवधि में पूरे किये जायेंगे। उन्होंने कहा, कुछ मुश्किलें ज़रूर हैं, लेकिन हमने जो भी वादे किये थे, उन्हें अपने कार्यकाल में पूरा किया जायेगा। चाहे 12 गैस सिलेंडर देने हों, या राशन कोटा बढ़ाना हो, ये सभी परियोजनायें चरणबद्ध तरीके से लागू की जा रही हैं।

दिल्ली में हवा की गुणवत्ता में भारी गिरावट

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। दिल्ली में दिवाली से पहले ही लोगों का प्रदूषण से दम घुटने लगा है। दिल्ली में शनिवार सुबह कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह 11 बजे तक आनंद विहार में सबसे अधिक वायु गुणवत्ता

- **विशेषज्ञों ने एन- 95 या डबल सर्जिकल मास्क पहनने की सलाह दी।**

सूचकांक (एक्यूआई) 387 दर्ज किया गया, जोकि बहुत खराब श्रेणी है। बवाना में एक्यूआई 312 दर्ज किया गया।

बढ़ ते वायु प्रदूषण के बारे में चिंता जताते हुए, गाजियाबाद के पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. शरद जोशी ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, "एक्यूआई में काफी वृद्धि हुई है। यह सीओपीडी, अस्थमा या तपेदिक जैसे रोगों का इतिहास रखने वाले लोगों के लिए श्वसन संबंधी समस्याओं को बढ़ाता है, जिससे खांसी, बुखार, सांस फूलना और सीने में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।" उन्होंने खराब वायु गुणवत्ता से बचाव के लिए सभी को बाहरी गतिविधियों के दौरान एन-95 या डबल सर्जिकल मास्क पहनने की सलाह दी है।

महागठबंधन में "फ्रैंडली फाइट" के आसार बढ़े

लगभग एक दर्जन सीटों पर घटक दल आमने सामने हैं

पटना, 18 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद भी शुक्रवार को महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर जद्दोजहद जारी रही है और इस मुद्दे पर उसके घटकों के बीच 'फ्रेंडली फाइट' के आसार बन रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शीर्ष नेता अपने उम्मीदवारों के नामांकन में भाग लेने के साथ जोर शोर से चुनाव प्रचार में हिस्सा ले रहे हैं।

महागठबंधन में लगातार गतिरोध के बीच घटक दलों ने लगभग एक दर्जन सीटों पर एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार उतारे दिए हैं। राजनीतिक गलियारों में इसे 'फ्रेंडली फाइट' की संज्ञा दी जाती है। जिन क्षेत्रों में महागठबंधन दोस्ताना लड़ाई को तैयार दिख रहा है. उनमे वैशाली,

- **नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि समाप्त होते ही महागठबंधन के नेता प्रचार में जुट गए हैं।**

कहलगांव, वारिसलीगंज, गुआरा-बोराम, बछवाड़ा, राजपाकर, रोसड़ा और बिहार-शरीफ शामिल हैं।

बछवाड़ा में, सीपीआई उम्मीदवार अवधेश राय और कांग्रेस उम्मीदवारगरीब दास ने महागठबंधन का हिस्सा होने के बावजूद अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। यही स्थिति अन्य सीटों पर भी है जहाँ महागठबंधन के घटक दलों के उम्मीदवार एक-दूसरे को चुनौती दे रहे हैं।

महागठबंधन में सबसे आश्चर्यजनक और दिलचस्प बात यह है कि राजद ने राज्य के औरंगाबाद जिले की कुटुम्बा सीट से बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी (बीपीसीसी) के अध्यक्ष राजेश राम के खिलाफ उम्मीदवार उतारा है। राम ने चेतावनी दी है कि वह किसी भी कीमत पर कुटुम्बा से चुनाव लड़ेंगे और राजद के लिए यह सीट छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है।

राम ने आज कहा कि "मुझे दलित नेता होने के कारण परेशान किया जा रहा है, लेकिन मैं अपनी बात से पीछे नहीं हटूँगा और कुटुम्बा सीट से ज़रूर चुनाव लडूँगा।" उन्होंने महागठबंधन के घटकों के बीच कई निर्वाचन क्षेत्रों में सीटों के बंटवारे और एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार उतारने को लेकर जारी अनिश्चितताओं के बारे में पूछे जाने पर कहा कि राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव समन्वय समिति के अध्यक्ष हैं और वह इस मुद्दे पर गौर करेंगे।

बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता आनंद माधव ने उम्मीदवारों को टिकट आवंटन में पक्षपात के विरोध में पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि कई वास्तविक उम्मीदवारों को टिकट नहीं दिए गए और जो दो-तीन दिन पहले पार्टी में शामिल हुए थे, उन्हें टिकट दे दिया गया। उन्होंने पार्टी में इस स्थिति के लिए बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावेरु को जिम्मेदार ठहराया।

केंद्रीय मंत्री और लोकजनशक्ति पार्टी (राजविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने महागठबंधन का उपहास करते हुए कहा कि इसके घटक दल आपस में ही लड़ रहे हैं। उनके पास बिहार के लिए कोई कार्यक्रम और दृष्टिकोण नहीं है और वे केवल सत्ता की चाह में एक मंच पर हैं।

बिहार में मुसलमानों का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

390 मुस्लिम विधायक चुने, जो कुल विधायकों का मात्र 7.8 प्रतिशत है। वर्ष 2020 के पिछले चुनाव में केवल 19 मुस्लिम विधायक चुने गए थे।

विशेषज्ञों के अनुसार, मुस्लिम मतदाताओं के प्रभाव में आई कमी का सबसे बड़ा कारण मुस्लिम वोटों का बँटवारा है। वर्ष 2020 के चुनाव में राजद ने 17 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से केवल आठ ही जीत सके। वर्ष 2010 और 2015 में मुस्लिम मतदाताओं का एक वर्ग नीतीश कुमार की जदयू के साथ था, लेकिन वर्ष 2020 में जदयू के सभी 11 मुस्लिम उम्मीदवार हार गए। इसके विपरीत, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के पाँच उम्मीदवार जीते, जिनमें से चार बाद में राजद में शामिल हो गए। इसी तरह, बसपा के टिकट पर जीता एकमात्र मुस्लिम विधायक बाद में जदयू में चला गया।

आगामी महीने में होने वाले चुनावों में कई नई पार्टियाँ मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही हैं। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने 40 मुस्लिम उम्मीदवार उतारने का वादा किया है और उनमें से 21 के नाम पहले ही घोषित कर दिए हैं। वहीं, एआईएमआईएम भी मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाने की ज़्यादा कोशिश कर रही है। निचोड़ यह है: अगर मुस्लिम वोटों में विभाजन होता है, तो उसका सीधा लाभ एनडीए गठबंधन को मिलने की संभावना है।

'पाकिस्तान एक शांतिप्रिय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बयानबाज़ी से न तो डरेंगे, न ही दबेंगे, और किसी भी छोटे से छोटे उकसावे का भी निर्णायक जवाब देंगे।" उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाओं ने हालिया संघर्ष के दौरान "शानदार पेशेवर योग्यता" और "दूरगामी सामरिक क्षमता दिखाई है, और "संख्यात्मक दृष्टि से बड़े दुश्मन" की ओर से आने वाले खतरों को "निष्क्रिय" किया है।

मुनीर ने भारत पर आरोप लगाया कि वह "आतंकवाद का इस्तेमाल पाकिस्तान को अस्थिर करने के हथियार के रूप में कर रहा है," और चेतावनी दी कि "अफ़ग़ान भूमि का उपयोग करने वाले सभी प्रॉक्सी समूहों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा।" उनका स्पष्ट संकेत तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की ओर था।

उन्होंने जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए पाकिस्तान के "नैतिक और कूटनीतिक समर्थन" को दोहराया और कहा कि "मूल मुद्दों का समाधान अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार" किये जाने की जरुरत बताई।

पाकिस्तान को "शांतिप्रिय" देश बताते हुए, मुनीर ने कहा कि उसका अमेरिका और चीन सहित "मुख्य शक्तियों के साथ मज़बूत संबंध" हैं।

उन्होंने मलेशिया, नेपाल और श्रीलंका जैसे मित्र देशों के कैडेट्स सहित, स्नातक हो रहे सभी कैडेट्स को बधाई दी, और पाकिस्तान सैन्य अकादमी को "सैन्य उत्कृष्टता और अंतरराष्ट्रीय मित्रता का आधारस्तंभ" बताया।

इससे पहले आज, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस यूनिट से ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को रवाना करते हुए कहा कि भारत की रक्षा क्षमता अब "एक शक्तिशाली निवारक क्षमता" का रुप ले चुकी है।

राजनाथ ने कहा, "पाकिस्तान की एक-एक इंच ज़मीन ब्रह्मोस की रेंज में है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो हुआ, वह तो बस एक झलक (ट्रेलर) थी। इसने पाकिस्तान को एहसास करा दिया कि अगर भारत पाकिस्तान बना सकता है, तो वक्त आने पर... मुझे और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं, आप सब समझदार हैं।"

ब्रह्मोस को "भारत की बढ़ती ताकत का प्रतीक" बताते हुए, उन्होंने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर ने साबित किया कि हमारे लिए जीत कोई एक घटना नहीं, बल्कि एक आदत बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने भारतीयों में "नया आत्मविश्वास" जगाया है और स्वदेशी हथियारों की प्रभावशीलता को विश्व के सामने प्रदर्शित किया है।

उन्होंने कहा, "अब इस आत्मविश्वास को बनाए रखना हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है।" रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस-निर्माण की सफलता "भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता और रक्षा उत्पादन की क्षमता" को दर्शाती है।

नव उद्घाटित ब्रह्मोस यूनिट, जो अत्याधुनिक एकीकरण और परीक्षण सुविधाओं से सुसज्जित है, "उत्तर प्रदेश डिफेन्स इन्डस्ट्रियल कॉरिडोर" और भारत के रक्षा आत्मनिर्भरता लक्ष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

भारत द्वारा 7 मई को शुरू किये गये "ऑपरेशन सिंदूर" का उद्देश्य पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाना था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले (जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे) के जवाब में की गई थी। दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच बातचीत के बाद चार दिन तक चला यह संघर्ष 10 मई को समाप्त हुआ।

अंततोगत्वा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ज़ेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय बैठक के अंत में ट्रंप ने अपना बयान बदल दिया और साफ कह दिया कि न तो टॉमाहॉक और न ही अन्य घातक हथियार यूक्रेन को दिए जाएँगे। उन्होंने यहाँ तक कहा कि यूक्रेन को समर्थन देने वाले यूरोपीय संघ के देशों को भी अपनी आपूर्तियां बढ़ाने की बात नहीं करनी चाहिए।

एक तरह से, अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद यूक्रेन, अपने से कहीं अधिक शक्तिशाली दुश्मन के साथ अपनी लड़ाई लड़ने के लिए अकेला रह गया। यह बात ज़ेलेंस्की से ज़्यादा स्पष्ट किसी और को नहीं हो सकती थी। परिणाम यूक्रेन के राष्ट्रपति के लिए बेहद निराशाजनक रहा, लेकिन उनके पास अमेरिकी रुख को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। बैठक के बाद मीडिया से बात करते समय ज़ेलेंस्की के स्वर में हताशा साफ झलक रही थी। ट्रंप ने एकदम "तीन सौ साठ डिग्री" का पलटाव कर लिया था, जो उनके लिए कोई असामान्य बात नहीं थी। ज़ेलेंस्की ने प्रेस से कहा कि अब सबसे ज़रूरी बात यह है कि लड़ाई तुरंत रोकी जाए और मौजूदा स्थिति पर ही मोर्चे को स्थिर किया जाए। ट्रंप पहले ही, गतिरोध को सुलझाने के तरीके पर रुसी दृष्टिकोण की तरफ झुक चुके थे और उन्होंने रुस के रुख को समर्थन भी दिया था। अपनी कठिन स्थिति समझते हुए ज़ेलेंस्की ने शिकायत की कि रूस पूरे देश पर कब्ज़ा करना चाहता है और यूक्रेन की स्वतंत्रता को मिटाना चाहता है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि क्षेत्रीय सीमाओं का मुद्दा बहुत संवेदनशील है।

इस परिस्थिति में ज़ेलेंस्की के पास अब बस इतना ही विकल्प है कि वे इस बुरे सौदे से जितना हो सके, बेहतर परिणाम निकालने की कोशिश करें। अमेरिकी कूटनीति में "विश्वासघात" ही असली खेल है।

दिल्ली के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि दोपहर 1:20 बजे आग की सूचना मिली, जिसके बाद छह दमकल गाड़ियाँ तुरंत मौके पर भेजी गई। ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट्स हाल ही में राज्यसभा सांसदों के लिए बिशंभर दास मार्ग पर बनाए गए हैं और इसमें कुछ लोग रहते भी हैं और घटना के समय भी फ्लैट्स में कुछ लोग थे। अधिकारियों द्वारा आग के कारण और नुकसान का आंकलन किए जाने की प्रक्रिया जारी है।

उत्तराखंड में ट्रैक्टर ट्रॉली व पिकअप की भिड़ंत, चार की मौत

नैनीताल, 18 अक्टूबर। उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर के नानकमत्ता में दीपावली की छुट्टी पर घर जा रहे सात मजदूरों की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं जब नानकमत्ता डैम के पास

- **ट्रैक्टर ट्रॉली में 7 मजदूर सवार थे जो दीवाली पर घर जा रहे थे।**

बाइपास रोड पर ट्रैक्टर-ट्राली और मुर्गियों से भरी पिकअप की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में चार मजदूरों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार हसनपुर सम्भल (उत्तर प्रदेश) निवासी सात मजदूर - अखिलेश (26) पुत्र अंतराम, जयवीर सिंह (31) पुत्र श्यामलाल, गुरमुख (18) पुत्र राजेन्द्र, शिशपाल (22) पुत्र महावीर, प्रदीप उर्फ बाबू, जयवीर और पुरुषोत्तम - ठेकेदार के साथ सड़ासड़िया क्षेत्र में विद्युत लाइन का काम करते थे। शनिवार को सभी मजदूर दीपावली की छुट्टी मनाने ट्रैक्टर-ट्राली से अपने घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि नानकमत्ता डैम के पास बाइपास रोड से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने ट्राली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्राली सड़क पर पलट गई और ट्रैक्टर के दो टुकड़े हो गए।

आर्थिक रुप से आत्मनिर्भर जीवनसाथी को गुजारा भत्ता नहीं: हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। हाईकोर्ट ने हाल ही में एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर कोई जीवनसाथी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और स्वतंत्र है, तो उसे गुजारा भत्ता देने का कोई आधार नहीं बनता।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने एक मामले की सुनवाई करते हुए की। अदालत ने कहा कि गुजारा भत्ता सामाजिक न्याय का उपाय है, न कि दो आर्थिक रूप से सक्षम लोगों के बीच आय को बराबर करने का माध्यम। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 25 के तहत गुजारा भत्ता तभी दिया जा सकता है जब वादी को वास्तव में आर्थिक सहायता की जरूरत हो। अगर कोई व्यक्ति खुद अच्छा कमाता है और आर्थिक रूप से सक्षम है तो उसे भत्ता नहीं मिल सकता।

- **हाईकोर्ट का यह अहम फैसला भविष्य में बतौर मिसाल प्रयुक्त हो सकता है।**

यह फैसला एक मामले में आया जिसमें एक महिला ने अपने पति से तलाक के बाद स्थायी गुजारा भत्ता मांगा था। महिला स्वयं भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) की वरिष्ठ अधिकारी थीं और आर्थिक रूप से पूरी तरह आत्मनिर्भर थीं। उनके पति एक वकील थे। दंपती ने 2010 में शादी की थी, लेकिन 14 महीने बाद ही अलग हो गए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908